सिमबेगवीरे

辛波薇亞

- Rukia Nantale
- Benjamin Mitchley
- Nandani
- Hindi / Chinese (Mandarin)

- Level 5

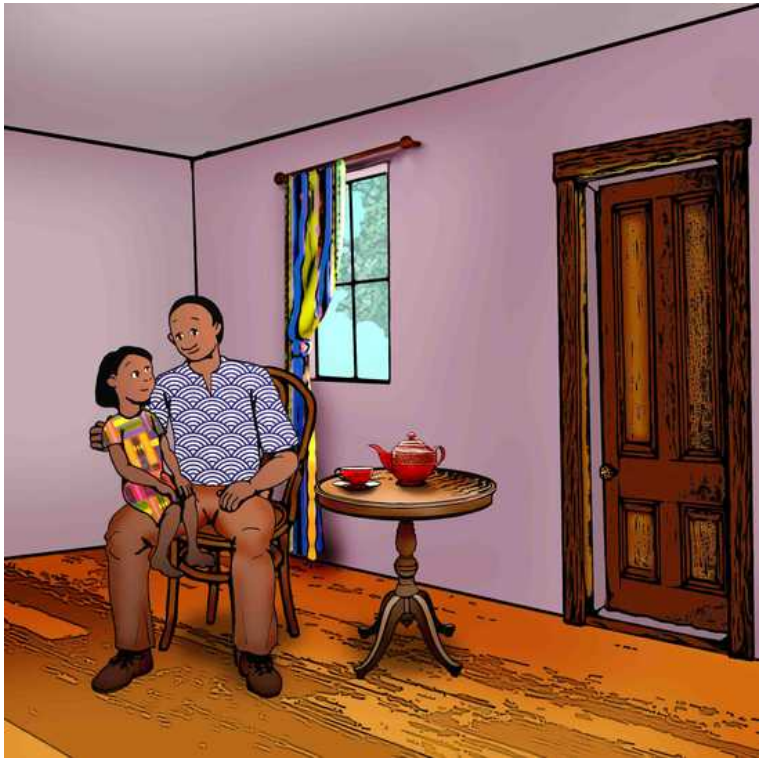

सिमबेगवीरे की माँ जब चल बसी, तब वह बहुत उदास थी। सिमबेगवीरे के पिता ने उसकी देख-भाल करने की हर संभव कोशिश की। धीरे-धीरे उन्होंने सिमबेगवीरे की माँ के बिना भी फिर से खुश रहना सीख लिया। हर सुबह वे बैठते और अगले दिन के लिए बातचीत करते। हर शाम साथ में मिलकर रात का खाना बनाते। बर्तन धोने के बाद, सिमबेगवीरे के पिता उसे गृहकार्य में मदद करते।

. . .

辛波薇亞的媽媽過世的時候，她非常傷心。辛波薇亞的爸爸盡全力照顧孩子。時間久了，他們漸漸開心起來，習慣了沒有辛波薇亞媽媽的生活。每天早上，他們坐在一起，談論著即將到來的一天。每天晚上，他們一起做飯，然後一起洗碗，辛波薇亞的爸爸還幫助她做功課。

एक दिन, सिमबेगवीरे के पिता रोज़ की तुलना मे थोड़ी देर से घर आये। “कहाँ हो मेरे बच्चे?” उन्होंने आवाज़ दी। सिमबेगवीरे अपने पिता की तरफ़ दौड़ी परंतु अचानक ही ठिठककर वह रुक गई। उसने देखा कि उसके पिता एक महिला का हाथ पकड़े हुए हैं। पिताजी ने मुसकुराते हुए कहा “मैं चाहता हूँ कि तुम किसी विशेष से मिलो, मेरी बच्ची। ये हैं अनीता”।

. . .

有一天，辛波薇亞的爸爸回家晚了。他一進門就喊道：“親愛的孩子，你在哪裡？”辛波薇亞跑出來迎接爸爸。但她突然停住了，因為她看到爸爸牽著另外一個女人的手。爸爸笑著說：“我的孩子，來，我向你介紹一個很特別的人，她叫阿妮塔。”

“नमस्ते सिमबेगवीरे तुम्हारे बारे में तुम्हारे पिता ने बहुत कुछ बताया है”, अनीता ने कहा। पर वो मुस्कुराई नहीं और न ही उन्होंने बच्ची का हाथ पकड़ा। सिमबेगवीरे के पिता खुश और उत्साहित थे। वे तीनों के साथ मिलकर रहने की बात कर रहे थे और कह रहे थे की इस प्रकार उनका जीवन कितना खुशहाल हो जाएगा। “मेरी बच्ची, मैं आशा करता हूँ कि तुम अनीता को माँ के रूप में स्वीकार करोगी,” उन्होंने कहा।

. . .

阿妮塔跟辛波薇亞打招呼：“你好，辛波薇亞！你的爸爸跟我說了很多關於你的事。”她沒有朝辛波薇亞微笑，也沒有牽她的手。辛波薇亞的爸爸很高興，他興奮地說著，如果他們三個人住在一起，一定會很幸福的。爸爸朝辛波薇亞說：“我的孩子，我希望你能接受阿妮塔成為你的母親。”

सिमबेगवीरे का जीवन बदल गया। अब वह सुबह लंबे समय तक पिता के साथ नहीं बैठ पाती थी। अनीता ने उसे घर का बहुत सारा काम सौंप दिया था जिसे निपटाते - निपटाते वह शाम को विद्यालय से मिला कार्य करने के समय बहुत थक जाती थी। रात के खाने के बाद थक कर वह बिस्तर पर सोने चली जाती। उसके लिए केवल एक ही चीज़ बहुत सुखदायी थी और वह था उसकी माँ का दिया हुआ रंगीन कंबल। सिमबेगवीरे के पिता यह नहीं देख पा रहे थे कि उनकी बेटी खुश नहीं है।

. . .

辛波薇亞的生活變了。她每天早上沒有時間和爸爸坐在一起聊天。阿妮塔讓辛波薇亞做很多家務，辛波薇亞每天晚上都累極了，根本沒有時間做功課。她一吃完晚飯就睡覺了。她唯一的安慰就是媽媽留給她的彩色毯子。辛波薇亞的爸爸似乎沒有意識到女兒一點兒也不開心。

कुछ महीनों बाद, सिमबेगवीरे के पिता ने उनसे कहा कि वह कुछ दिनों के लिए घर से बाहर रहेंगे। “मुझे काम से बाहर जाना है,” उन्होंने कहा। “पर मुझे पता है कि तुम दोनों एक दूसरे का ध्यान रखोगे।” सिमबेगवीरे का चेहरा उतर गया, लेकिन उसके पिता ने ध्यान नहीं दिया। अनीता ने कुछ नहीं कहा। हालाँकि वह भी खुश नहीं थी।

. . .

過了幾個月，辛波薇亞的爸爸告訴她們，他要離家一段時間。他說：“我得出差，我相信你們會互相照顧對方的。”辛波薇亞低下頭，但她的爸爸沒有注意。阿妮塔什麼也沒說，她也不太高興。

यह सिमबेगवीरे के लिए बहुत ही बुरा साबित हुआ। अगर वह अपना काम पूरा नहीं करती या शिकायत करती तो अनीता उसे मारती। इसके अलावा, वह सिमबेगवीरे को रात में भी खाने के नाम पर अपनी जूठन ही देती और अधिकतर खाना खुद ही खा जाती। सिमबेगवीरे हर रात अकेले में, माँ के कंबल को गले से लगाकर रोती।

. . .

辛波薇亞的生活變得更糟糕了。如果辛波薇亞沒有做完家務，或者她稍微有點抱怨的話，阿妮塔就會打她。晚上，阿妮塔把大多數食物都吃了，只留給辛波薇亞一點剩飯剩菜。每天晚上，辛波薇亞都流著淚入睡，她只能緊緊地抱著媽媽留下的毯子。

एक सुबह, सिमबेगवीरे देर से सोकर उठी। “आलसी लड़की!” अनीता चिल्लायी। उसने सिमबेगवीरे को बिस्तर से खींचकर उठा लिया। ऐसा करते समय उसका अमूल्य कंबल एक कील से फँसकर, फट कर दो भागों में बँट गया।

. . .

一天早上，辛波薇亞起床晚了。阿妮塔氣極了：“你這個懶蟲！”她把辛波薇亞從床上拉起來。毯子勾到一顆釘子，撕成了兩半。

सिमबेगवीरे बहुत उदास हो गई। उसने घर से भागने का फैसला कर लिया। उसने अपनी माँ के कंबल के टुकड़ों को रख लिया और खाने के लिए कुछ सामान लिया और फिर घर से चली गई। वह उसी रास्ते से निकल पड़ी जिधर से उसके पिता गए थे।

. . .

辛波薇亞傷心透了，她決定離家出走。她帶著毯子的碎片，包了一些食物，沿著爸爸出差的路離開了家裡。

जब शाम हुई तो वह एक झरने के पास लगे एक ऊँचे पेड़ पर चढ़ गई और अपने लिए टहनियों के बीच में बिस्तर बना लिया। जब वह सोने लगी, उसने गाना गाया: “माँ, माँ, माँ, तुमने मुझे छोड़ दिया। तुम मुझे छोड़ कर चली गईं और फिर कभी वापस नहीं आईं। पिताजी अब मुझसे प्यार नहीं करते। माँ, तुम कब वापस आओगी? तुमने मुझे छोड़ दिया।”

. . .

天黑了，辛波薇亞找到一棵長在小溪旁邊的樹。她爬上了樹，在樹枝上搭了一張小床。她唱著歌，漸漸睡著了：“媽媽，媽媽，媽媽，你離開了我，離開了我再也不回來了。爸爸再也不愛我了。媽媽，你什麼時候回來，你離開了我……”

अगली सुबह, सिमबेगवीरे ने फिर से गाना गाया। जब कुछ महिलायें झरने पर कपड़े धोने आईं तो उन्हें बड़े पेड़ से आ रही एक दर्द भरे गाने की आवाज़ सुनाई पड़ी। उन्होंने सोचा यह केवल पत्तों से टकरा रही हवा है और वे फिर अपना काम करने लगीं। लेकिन उनमें से एक औरत ने बहुत ध्यान से गाना सुना।

. . .

第二天早上，辛波薇亞又唱起了這首歌。附近的女人到溪水邊來洗衣服，她們聽到了樹上傳來的歌聲。她們以為這是風穿過樹葉的聲音，於是就沒有在意，繼續洗衣服。但其中有個女人仔細地聽著這首歌。

उस महिला ने पेड़ के अंदर देखा। लड़की और रंगीन कंबल के टुकड़ों को देखकर वह चिल्लायीं, सिमबेगवीरे, “मेरी भतीजी!” दूसरी महिला ने धोना रोक दिया और सिमबेगवीरे की पेड़ से उतरने में मदद की। उसकी बुआ ने छोटी सी लड़की को गले से लगाया और उसे दिलासा देने की कोशिश की।

. . .

女人抬起頭來看著那棵樹。當她看到辛波薇亞和那條彩色的毯子時，她嚇了一跳：“辛波薇亞，我哥哥的孩子！”其他的女人也停下了手裡的活兒，幫助辛波薇亞從樹上爬了下來。她的姑姑緊緊地抱著她，儘量安慰她。

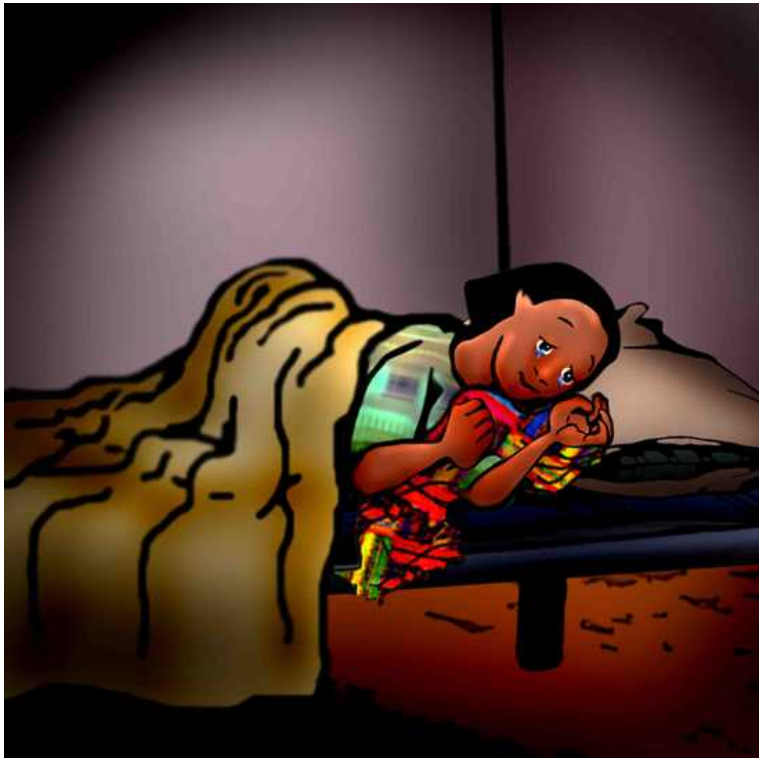

सिमबेगवीरे की बुआ बच्ची को अपने घर ले गईं। उन्होंने सिमबेगवीरे को गर्म खाना दिया और उसकी माँ के कंबल के साथ उसे बिस्तर पर सुला दिया। उस रात, सिमबेगवीरे सोते समय रोने लगी। लेकिन ये आँसू खुशी के थे। वह जानती थी कि उसकी बुआ उसकी देखभाल अच्छे से करेंगी।

• • •

辛波薇亞的姑姑帶著她去了自己家。她給辛波薇亞煮了美味的食物，又給她鋪了床，讓她蓋著媽媽的毯子睡覺。那天晚上，辛波薇亞又哭著睡著了。不過這次是欣慰的淚水。她知道她的姑姑會照顧她。

जब सिमबेगवीरे के पिता घर वापिस लौटे तो उन्होंने उसका कमरा खाली पाया। “क्या हुआ अनीता?” उन्होंने भारी मन से पूछा। अनीता ने बताया कि सिमबेगवीरे घर से भाग गई। “मैं चाहती थी कि वह मेरा सम्मान करे, पर शायद मैं ज़्यादा ही सख्त हो गई थी।” सिमबेगवीरे के पिता तुरंत घर से निकल गए और झरने के तरफ़ चल दिए। वे उसकी खोज में अपनी बहन के गाँव की ओर इस उम्मीद से निकल पड़े कि शायद उसने सिमबेगवीरे को वहाँ देखा हो।

. . .

辛波薇亞的爸爸回到家裡，發現辛波薇亞的房間裡空蕩蕩的。他疲倦極了，問阿妮塔發生了什麼事。阿妮塔說辛波薇亞離家出走了。她解釋道：“我只是想讓她尊敬我，但是我可能太嚴格了。”辛波薇亞的爸爸跑出家門，沿著小溪去找辛波薇亞。他走到了妹妹的村莊，想問問她有沒有見過辛波薇亞。

सिमबेगवीरे अपनी फ़ुफ़ेरे भाई-बहन के साथ खेल रही थी जब उसने दूर से पिता को आते देखा। वह डर गई कि कहीं वे उसे देखकर नाराज़ न हो जाएँ, इसलिए छिपने के लिए घर में भाग गई। लेकिन उसके पिता उसके पास गए और उन्होंने कहा, “सिमबेगवीरे, तुमने अपने लिए सही माँ को खोज लिया है। वह तुमको समझती है और प्यार करती है। मुझे तुम पर नाज़ है और मैं तुमसे प्यार करता हूँ।” वे इस इस बात के लिए तैयार हो गए कि जब तक सिमबेगवीरे चाहे वह अपनी बुआ के साथ रह सकती है।

. . .

辛波薇亞正在和她的表兄弟姐妹玩耍，但她突然看到了遠處的爸爸。她害怕爸爸會生氣，於是就跑到房子裡躲了起來。但是爸爸找到她，對她說：“辛波薇亞，你自己找到了一個完美的媽媽，她愛你，理解你。我為你感到驕傲，我愛你。”他們商量後決定辛波薇亞可以和姑姑住在一起，想呆多久就可以呆多久。

उसके पिता हर दिन उससे मिलते। आखिरकार, वे अनीता के साथ आए। अनीता ने सिमबेगवीरे का हाथ पकड़कर उससे कहा “मुझे माफ़ करना बेटा, मैं गलत थी,” और वह रो पड़ी। रोते हुए उसने पूछा “क्या तुम मुझे एक और मौक़ा दोगी?” सिमबेगवीरे ने अपने पिता और उनके चिंतित चेहरे की तरफ़ देखा। फिर वह धीरे से आगे बढ़ी और उसने अनीता को गले से लगा लिया।

. . .

辛波薇亞的爸爸每天都來看她。有一天，他和阿妮塔一起來了。阿妮塔朝辛波薇亞伸出手，她哭了：“我太抱歉了，小傢伙，對不起，我錯了，你可以再給我一次機會嗎？”辛波薇亞看了看爸爸，看到他憂慮的臉龐。她朝前走了一步，抱住了阿妮塔。

अगले सप्ताह अनीता ने सिमबेगवीरे, उसकी बुआ और फ़ुफ़ेरे भाई-बहनों को अपने घर खाने पर बुलाया। क्या भोजन था! अनीता ने सारा खाना सिमबेगवीरे की पसंद का बनाया था, सभी ने छककर भरपेट भोजन किया। फिर बच्चे खेलने लगे और बड़े लोग आपस में बातचीत करते रहे। सिमबेगवीरे को बहुत सुखद और उत्साह की अनुभूति हुई। उसने फैसला लिया कि जल्द ही, बहुत जल्द, वह अपने पिता और सौतेली माँ के साथ रहने के लिए घर लौट आएगी।

. . .

過了幾天，阿妮塔邀請辛波薇亞，姑姑和姑姑的孩子們一起到家裡吃飯。好豐盛啊！而且那都是辛波薇亞喜歡吃的東西，每個人都吃得津津有味。吃完飯，大人們在家裡聊天，孩子們在外面玩耍。辛波薇亞覺得很開心，自己變得更加勇敢了。她決定不久以後就要回到家裡，和自己的爸爸，繼母住在一起。

香港故事書

global-asp.github.io/storybooks-hongkong

सिमबेगवीरे

辛波薇亞

Written by: Rukia Nantale
Illustrated by: Benjamin Mitchley
Translated by: Nandani (hi), Vicky Liu (zh)

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by 香港故事書 in an effort to provide children's stories in 香港's many languages.

This work is licensed under a Creative Commons
Attribution 3.0 International License.